

पैदल घर लौट रहे इन मजदूरों की नाराजगी पड़ सकती है भारी

लॉकडाउन के बावजूद अपने घरों की तरफ पैदल निकल पड़े हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर

बु रास्ते में लाख परेशानियां झेलीं, ना खाने को ठीक से मिला, ना पीने को पानी

बु लॉकडाउन की वजह से दो हिस्सों में बंटता नजर आ रहा भारतीय समाज

बु बीजेपी को सता रहा डर, कहीं गरीबों की नाराजगी का असर चुनावी नतीजों पर न पड़े



नई दिल्ली (ए.)। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर लीडर्स की एक मीटिंग गुरुवार को पार्टी चीफ जेपी नड्डा के घर पर हुई। लॉकडाउन की घोषणा के बाद, बीजेपी के बड़े नेता पहली बार मिले हैं। इसमें गृह मंत्री अमित शाह के अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया। देश के

कोरोना से उपजे हालात पर चर्चा के लिए यह मीटिंग बुलाई गई थी। मगर इसमें मुद्दा छाया रहा प्रवासी मजदूरों का। पार्टी अपने नेताओं से यही जानना चाहती थी कि जो हालात अभी बने हैं, उन्हें सुधारने के लिए क्या किया जा सकता है। बीजेपी ने

अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे रोड पर मौजूद मजदूरों की यथासंभव मदद करें। बीजेपी अब प्रवासी मजदूरों की सुध क्यों ले रही है? इसके पीछे पार्टी का एक डर बड़ी वजह है। वो डर है अपना वोट-बैंक खोने का।

पीएम का भी श्रमिकों पर जोर

तीन दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम संबोधन में कहा था कि ‘हमारे देहड़ी, देना लगाने वाले, पट्टी पर सामान बेचने वाले हैं, श्रमिक साथी हैं, घरों में काम करने वाले माई-बहन हैं। उन्होंने इस दौरान बहुत कष्ट झोले हैं, तपस्या की है, त्याग किया है। ऐसा कौन है जिसने उनकी अनुपस्थिति को महसूस नहीं किया। अब हमारा कर्तव्य है उन्हें ताकतवर बनाने का।’ उन्होंने राज्यों से कहा है कि वे मजदूरों को उनके राज्य भेजने की व्यवस्था करें क्योंकि उन्होंने घर लौटने का मन बना लिया है।

लगातार बना हुआ है संकट

24 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में लॉकडाउन का ऐलान किया था। रात 8 बजे का यह ऐलान महज चार घंटों बाद, 25 मार्च की रात से लागू हो गया। उस वक्त शायद किसी को भी ये अंदाजा नहीं रहा

होगा कि माइग्रेशन की इतनी बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। केंद्र सरकार को स्थिति की भयावहता का अंदाजा शायद अप्रैल के आखिरी दिनों में हुआ। तभी तो 1 मई से ‘श्रमिक स्पेशल’ ट्रेनें चलाने का फैसला किया गया। मगर प्रवासी मजदूरों की संख्या लाखों में थी।

आधा मई गुजर चुका है और मजदूर अबतक सड़कों पर हैं। उनके भीतर गुस्सा है क्योंकि जब उन्हें सरकारी मदद की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वे ठोकर खाने को मजबूर थे। बीजेपी शायद इस बात को महसूस कर पा रही है। इस मुद्दे पर अब वह बैकपुट पर है। देश के

कहीं खो ना जाए बीजेपी की बढ़त

आर्थिक रूप से कमजोर तबका बीजेपी के चुनावी पराक्रम की मुख्य वजह रहा है। 2014 से शुरू हुई वो लहर 2019 में और मजबूत हो गई। सेंटर फॉर ड स्टडी ऑफ डेवलपिंग साइंस की 2019 और 2014 के नतीजों पर रिसर्च बताती है कि गरीब तबके के वोटों में बीजेपी ने सबसे ज्यादा फायदा हासिल किया। 2014 में बीजेपी को गरीबों के बीच जहां 24 फीसदी वोट मिले थे, 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 36त हो गया। प्रवासी मजदूरों के संकट से बीजेपी को सबसे बड़ा डर इसी बढ़त को खोने का है।

बंटवारे के बाद पलायन का ऐसा दौर कभी नहीं देखा गया था। इसलिए बीजेपी को टेंशन होनी लाजिमी है।

दिल्ली के सेना भवन में मिला कोरोना का मरीज, इमारत का एक हिस्सा सील

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के सेना भवन में एक जवान के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद इमारत का एक हिस्सा सील कर दिया गया है। वहीं, उसके संपर्क में आए लोगों को क्वारंटाइन करने की तैयारी शुरू हो गई है। सेना भवन के जिस हिस्से में कोरोना वायरस का पॉजिटिव केस मिला है, उसे पूरी तरह से बंद करके सैनटाइज किया जा रहा है। इससे पहले अप्रैल महीने में राजीव गांधी भवन में भी कोरोना वायरस का एक पॉजिटिव केस सामने आया था। इसके बाद इमारत के एक हिस्से को बंद कर दिया गया था। वहीं, पिछले दिनों एयर इंडिया के दिल्ली दफ्तर में भी कोरोना का मरीज मिल चुका था।

गुजरात के मंत्री भूपेंद्र सिंह को राहत, सुको से राहत

अहमदाबाद । सुप्रीम कोर्ट ने कदाचार के आधार पर गुजरात के कानून मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा का निर्वाचन रद्द करने के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर शुक्रवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा की अपील पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के 12 मई के आदेश पर रोक लगाई। इसके साथ ही पीठ ने भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा के प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के अधिन राठौड़ तथा अन्य को इस अपील पर नोटिस जारी किए। याचिका में क्या: अपील में तर्क दिया गया कि उच्च न्यायालय इस तथ्य को समझने में विफल रहा कि इस चुनाव में पराजित कांग्रेस के प्रत्याशी अधिन राठौड़ ने किसी भी मुद्दे पर कोई ठोस और भरोसेमंद साक्ष्य पेश नहीं किया। भाजपा के इस नेता ने अपनी अपील में कहा है कि इसलिए गुजरात विधानसभा के लिए 14 दिसंबर, 2017 को हुए चुनाव में छेलकिया सीट से वह विधिवत निर्वाचित घोषित किये जाने के हकदार नहीं थे।

क्वार्टाइन में कोरोना योद्धा कैसे रह रहे हैं और व्यवस्था कैसी है?

सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 के मरीजों का इलाज कर रहे डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के अस्पतालों के निकट ही पृथक्वास (क्वार्टाइन) के लिए उठाये गए कदमों के बारे में उसे अवगत कराया जाए। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने इस मामले की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान केन्द्र को यह निर्देश दिया। पीठ ने केन्द्र की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह इस बारे में जानकारी प्राप्त करके अगले सप्ताह उसे अवगत करायें।

कमरे, बाथरूम साझा करने पड़ रहे

इस मामले में याचिकाकर्ता डा आरुषि जैन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टरों को सात से 14 दिन की ड्यूटी करने के बाद पृथक्वास किया जाना चाहिए। लेकिन इन चिकित्सकों को उन स्थानों पर पृथक्वास कराया जा रहा है जहां उन्हें कमरे, बाथरूम साझा करने पड़ रहे हैं जबकि व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें सामाजिक दूरी बनी रहे।

कोरोना योद्धाओं को



कोरोना योद्धाओं को मकान खाली कराना बने गैर जमानती अपराध

मेहता ने कहा कि सरकार इन कोरोना योद्धाओं की संरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है और इस बारे में निर्देश दिये गये हैं। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों पर किसी भी प्रकार के हमले या उन्हें मकान अथवा आवासीय सोसायटी के प्लैट खाली करने के लिये कहने को गैर जमानती अपराध बनाया गया है। पीठ ने मेहता से कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा अस्पतालों के निकट ही पृथक्वास के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में दिये गए सुझाव पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ सुझाव विचारधीन हैं और यह इनमें से एक है। रोहतगी ने इसमें हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सालिसिटर जनरल जो कह रहे हैं वह बहुत कम है लेकिन उन्हें यह बताना चाहिए कि कितने होटल और आवास उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए हेल्पलाइन होनी चाहिए ताकि वे अपनी किसी भी समस्या के बारे में प्राधिकारियों को अवगत करा सकें।

सुविधाएं दी जाएं

रोहतगी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था पृथक्वास के मकसद को ही विफल करेगी और कोरोना योद्धा बीमार पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ यह चाहते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ अग्रिम पंक्ति में मौजूद इन

स्वास्थ्यकर्मियों को अस्पतालों के नजदीक आवश्यक सुविधायें उपलब्ध करायी जाएं। उन्होंने कहा कि डाक्टरों के लिये भी एक निश्चित मात्रक प्रक्रिया का पालन होना चाहिए क्योंकि ये अपने घरों से अस्पताल पहुंचने में अनेक परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

विधायक रामेश्वर शर्मा बोले साध्वी प्रज्ञा को एक आंख से दिखना बंद

भोपाल (ए.)। कोरोना महामारी के बीच भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा कहीं नहीं दिखाई दे रही हैं। इसे लेकर राजनीति तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर कोरोना के लेकर साध्वी प्रज्ञा ने जरूर कुछ ट्वीट किए थे, लेकिन वह कहीं दिख नहीं रही थीं। पूर्व मंत्री और विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि इस दौर में भोपाल सांसद का गायब होने दुर्भाग्य है। पीसी शर्मा ने सांसद को लापता घोषित कर दिया। इसे लेकर राजनीति तेज हुई, तो साध्वी प्रज्ञा ने कांग्रेस को जवाब दिया है। साथ ही बताया भी है कि वह कहां हैं। दरअसल, भोपाल दक्षिण-पश्चिम से विधायक

और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि संकट के समय में भोपाल सांसद का गायब होना दुर्भाग्यपूर्ण है। शर्मा के आरोपों पर पहले बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक रामेश्वर शर्मा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में साध्वी प्रज्ञा को काफ़ी प्रताड़ित किया गया था। वह उससे पीड़ित हैं, उन्हें रासायनिक इंजेक्शन दिया गया था। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि साध्वी प्रज्ञा की एक आंख में रिएक्शन हो गया है, वो खुलना बंद हो गया है। उन्हें दिखाई नहीं दे रहा है। मनमोहन सिंह की सरकार में उन्हें काफ़ी टॉर्चर किया गया था।

ट्रेन के बाद अब दिल्ली मेट्रो चलाने की तैयारी

नई दिल्ली। कोरोना लॉकडाउन के कारण थम चुकी दिल्ली मेट्रो को फिर से चलाने की तैयारी चल रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आग बताया कि लॉकडाउन के दौरान मेट्रो के जितने भी हमारे ट्रैक और रूट हैं उनपर एक-एक ट्रेन चलाकर हमने देखा, ताकि सिस्टम चलता रहे। जो ट्रेनें नहीं चली हैं, उनकी पूरी जांच की जाएगी और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। हालांकि अरविंद केजरीवाल सरकार के मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली मेट्रो को चलाने का फैसला केंद्र सरकार ही लेगी। कैलाश गहलोत ने बताया कि हर स्टेशन

पर थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। नोटों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगर किसी स्टेशन पर भीड़ होती है तो एंट्री बंद कर दी जाएगी।

प्रमुख स्टेशन को ही खोला जाएगा ताकि पूरा मैन पावर लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा सके। दिल्ली सरकार को लॉक डाउन के दौरान मेट्रो और सीमित संख्या में बसें चलाने का सुझाव मिला है। दिल्ली सरकार के मुताबिक उन्हें इस दौरान दिल्ली के बाजार खोले जाने को लेकर भी कई सुझाव प्राप्त हुए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र

कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा, लॉकडाउन में ढील पड़ सकती है महंगी

लॉकडाउन-3 की मियाद 17 मई को हो रही है खत्म, विशेषज्ञों को आशंका, लॉकडाउन में ढील पड़ सकती है महंगी

बेंगलुरु (ए.)। देश में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन इसके कम्युनिटी ट्रांसमिशन को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। लेकिन एक प्रख्यात स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने आज कहा कि भारत को कोविड-19 के सामुदायिक स्तर पर फैलने के जोखिम का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि लॉकडाउन में राहत देने के कारण कोरोना वायरस बड़े पैमाने पर फैल सकता है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि देश में कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन



(तीसरा चरण) पहले ही शुरू हो चुका है। मगर पब्लिक हेल्थ फ़ंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रोफेसर के श्रीनाथ रेड्डी ने कहा कि यह परिभाषा पर निर्भर करता है।

कम्युनिटी ट्रांसमिशन के लिए तैयार रहे देश

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक देश में

कम्युनिटी ट्रांसमिशन शब्द से बच रहे हैं विशेषज्ञ
उन्होंने कहा कि अगर हम उन लोगों में प्रसार को देखते हैं जिन्होंने कहीं की यात्रा नहीं की या किसी संक्रमित के संपर्क में नहीं आए, तो निश्चित तौर पर ऐसे कई मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ‘लेकिन ज्यादातर मामले विदेशी यात्रियों के प्रेष के मूल कारण के इर्द-गिर्द या उनके जानकारों की यात्रा करने से संबंधित हैं। इसलिए जो लोग इसे अब भी दूसरा चरण बता रहे हैं, उनका कहना है कि यह पता लग सकने वाला स्थानीय प्रसार है और ऐसा सामुदायिक प्रसार नहीं है जिसका अनुमान न लगाया जा सके।’ उन्होंने कहा कि इसलिए हम सामुदायिक प्रसार जैसे शब्द के इस्तेमाल से बच रहे हैं। यह परिभाषाओं एवं भाषा का विषय है।

कोरोना संक्रमितों की संख्या 81970 पहुंच चुकी है। इनमें से 27920 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं जबकि 2649 की मौत हो चुकी है। अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान में हृदय रोग विभाग के पूर्व में प्रमुख रहे रेड्डी ने कहा कि यह भी मानना होगा कि सामुदायिक प्रसार हर उस देश में वास्तव में नजर आया है।

भारत में ही बनेंगे एयरक्राफ्ट, विदेशों से नहीं आएंगे करोड़ों के विमान

दो साल पहले ही भारत ने दुनिया के सबसे बड़े वारप्लेन कॉन्ट्रैक्ट की बात की थी



है, जो 15 अरब डॉलर की डील के लिए रेस में शामिल थे। ये एक इशारा है कि भारत अब महंगे विदेशी विमानों से किनारा करने की सोच रहा है, जिनककी वजह से पैसों की दिक्रत भी होती थी।

डिफेंस एक्सपोर्टर बनेगा भारत

दिल्ली स्थित सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल मनमोहन बहादुर ने कहा- अब जब भारत में ही बने एयरक्राफ्ट को इस्तेमाल करने का फैसला कर ही लिया गया है तो रक्षा मंत्रालय को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की क्षमता बढ़ानी होगी, जो भारत में जेट बनाती है। रावत ने ये भी कहा कि अब भारत डिफेंस एक्सपोर्टर की तरह भी एक बड़ा रोल अदा करेगा, क्योंकि यहां कीमतें काफी कम हैं। जब दुनिया भारत को इन विमानों का इस्तेमाल करते देखेगी, तो बेशक ही कुछ देश इसे खरीदने में रुचि लेंगे। फाइटर जेट खरीदने की प्रक्रिया करीब एक दशक

दो साल पहले 114 जेट खरीदने का निकाला था टेंडर

अप्रैल 2018 में भारत ने 114 जेट खरीदने का एक ग्लोबल टेंडर निकाला था। इसके लिए बोझा, लॉकहीड मार्टिन और स्वीडन की साब एबी को अपनी ओर खींचा। दरतावेजों के अनुसार इनमें से करीब 85 फ़ीसदी एयरक्राफ्ट का प्रोडक्शन भारत में ही होना था। वैसे तो मिलिट्री पर खर्च करने के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन इसके एयरफ़ोर्स, नवी और सेना में अभी भी ऐसे हथियार हैं, जो आज के जमाने में गुजरी बातें हो चुके हैं।

पहले शुरू हुई थी। भारत ने 2015 में डसॉल्ट एविएशन से 11 अरब डॉलर में 126 राफेल एयरक्राफ्ट खरीदने के ऑर्डर को खत्म किया था, लेकिन उसके बाद से अब तक 36 प्लेन खरीदे जा चुके हैं, ताकि एयरक्राफ्ट के पुराने विमानों की जगह नए विमान ले सकें।

से मैं दिल्ली भाग गया था। मैं वापस आकर बहुत खुश हूँ।

...तो वह कंकाल किसका था

पुलिसकमील सीताराम अवस्थीका कहते हैं, %वर्ष 2017 में उदय के लापता होने के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जब उसकी तलाश की गई तो पुलिस ने एक कंकाल बरामद किया। कंकाल में मिले कपड़े के एक टुकड़े से उसके पिता ने पहचाना था। वह बरहाल, अब हम इस बात की जांच करेगे कि वह कंकाल किसका था।%

मेडिकल स्टोर के गोदाम में लगी आग, मची अफरा-तफरी

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। पड़ाव चैक में स्थित एक मेडिकल स्टोर में आग लगी गई। करीब 4 बजे से लगी आग को फायर ब्रिगेड की दो गाड़ी ने मुश्किल से डेढ़ घण्टे में काबू पाया गया। मिली जानकारी के अनुसार मेडिकल स्टोर की तीन मंजिला दुकान के ऊपर वाली दो मंजिल में आग थी, जिसमें रखी दवाई की जल गई, जिसकी कीमत लगभग 6 से 8 लाख रुपये बताई जा रही है। आग लगे का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा। आग की घटना से क्षेत्र में अपरातफ्री मच गई।

लगातार बढ़ती गर्मी की वजह से अब शॉर्ट सर्किट की समस्याएँ सामने आने लगी हैं शॉर्ट सर्किट की वजह से पड़ाव चैक स्थित गणेश मेडिकल स्टोर की इमारत से अचानक धुआँ उठने लगा ,उठते हुए धुएँ को देखकर आसपास लोगों ने इसकी जानकारी तत्काल दमकल विभाग को दी, धुएँ के साथ



आग की लपटें इमारत से बाहर निकलने देर किए मौके पर पहुंचकर लगभग डेढ़ पा लिया मिली जानकारी के
लगी इसी दौरान दमकल विभाग ने बिना घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू गणेश मेडिकल स्टोर की बि



अनुसार जिस हिस्से में आग लगी थी उस क्षेत्र में मेडीकल स्टोर संचालक को कितना लडिंग के दवाई का गोदाम है। आगजनी से नुकसान हुआ ये बाद में ही पता चल

सेकेगा, मेडिकल स्टोर के गोदाम में लगी आग पर यदि सही समय में काबू नहीं किया जाता तो निश्चित तौर पर जुड़ी हुई इमारत जिसमें स्टोरेज और रसेलरों संचालित है वो भी आग की चपेट में आ जाते। बिजली के शॉर्ट सर्किट का वजह से लगी इस आग की घटना से वहां पर भीड़ का माहौल बन गया सोशल मीडिया में आग की खबर आग की तरह ही फैली जिसे प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए उतावले लोगो ने पड़व चैक पर बड़ी भीड़ जमा कर ली और मोबाइल से वीडियो फुटेज लेने की होड़ लग गयी मौके पर मौजूद पुलिस ने सड़क को वनवे कर जैसे तेरे भीड़ को घटना स्थल से दूर किया ,,, काफी देर की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन मौके पर मौजूद भीड़ ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की धजियां उड़ाने में कोई रकस नहीं छोड़ी।

**पैदल लौट रहे मजदूरों के बच्चों की
त्यथा- थक गए हैं, अब चला नहीं जाता**

नव प्रदेश संवाददाता

कथर्था। यात्री वाहन प्रतिबंधित होने के कारण श्रमिकों की दिक्कत और बढ़ती जा रही है। वह सैकड़ों किलोमीटर का सफर पैदल तय कर रहे हैं। तो इसके साथ ही बड़ी संख्या में श्रमिक परिवार जितने से पहुंच रहे हैं। लॉकडाउन के बीच प्रवासि मजदूर अब अपने घरों की ओर लौट रहे हैं, तो इसके साथ ही कोई पैदल ही चला जा रहा है, तो कोई साइकिल से हजारों किलोमीटर की दूरी तय करने मजदूर हैं और इसके साथ ही सुविधा के अनुसार बीच-बीच पर अगर कहीं वाहन मिल जाए, तो वाहन से लिट लेकर अपने घरों तक पहुंचने मजदूर लगे हुए हैं।

शुक्रवार को कवर्धा जिले के पंडरिया क्षेत्र में पोड़ी के पास लखनऊ से लगभग 13 मजदूर पहुंचे हुए थे। उनके साथ 5 साल व 6 महीने का एक मासूम बच्चा था। मजदूर व उनके साथी अपने सिर पर सामानों का बोझ रखे हुए तपती धूप में पैदल चल रहे थे। साथ में 5 वर्ष का मासूम भी चल रहा था और कह रहा था कि थक गया हूँ मर्दो रको ना। आज की स्थिति में हर कोई यही चाह रहा है कि कैसे भी वो वह अपने घरों तक पहुंच जाएँ। कांपादाह के एक मजदूर परिवार लखनऊ कमाने खाने के लिए गया हुआ था। इस परिवार के सदस्य अंशु ने बताया कि वह लखनऊ में मजदूरी का कार्य कर रहे थे। लॉकडाउन के बाद कार्य बंद हो गया और उन्हें लॉकडाउन के बीच बड़ी मुश्किलों से समय काटना पड़ा। आखिरकार उनके द्वारा खरीदे गए बर्तनों को बेच दिए गए, जैसे-तैसे कर कांपादाह पहुंचने के लिए उन्होंने लगभग 150 किलोमीटर तक पैदल सफर किया, तो कहीं वाहन मिला तो उस पर बैठ गए। इस मजदूर परिवार में दो मासूम बच्चे भी हैं। जिसमें एक की उम्र 5 वर्ष है, तो दूसरे बच्चे का उम्र 5 माह का है और इस तरह वे पैदल ही चलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में फंसे रहने से तो अछूत है कि जैसे तैसे घर ही पहुंच जाए और वे सब



जिंदगी का सफर ये कैसा सफर, माता-पिता के साथ पैदल चल रहे मासूम



ही चले जा रहे थे। इनके साथ में भी दो-तीन बच्चे थे। इन मजदूरों का कहना था कि वे अंधियारखोर गुड़ की फैक्ट्री में काम करना करते थे और उनका काम बंद हो गया साथ ही ठेकेदार भी बिना मजदूरी राशि दिए छोड़कर चला गया। आखिरकार यह मजदूर भी मेरठ पहुंचने के लिए निकल पड़े हैं। मजदूरों का कहना है कि जहां से जैसी सुविधा मिलेगी वहां अपने घरों तक पहुंचेंगे। पिछहाल आज की स्थिति में ही मजदूरों के मजदूर पैदल आते दिख रहे हैं।



पैदल ही चलने लगे। शुक्रवार के दिन यह सभी मजदूर पोंडो तक पहुँच आए और कांपादाह जाने के लिए वाहनों के दंड़वार में बैठे रहे। उन्होंने बताया कि जहाँ सैकड़ों किलोमीटर का सफर उन्होंने पैदल तय किया। वहीं कहीं-कहीं ठूके मेटाडोर मिलने पर वे उन वाहनों में बैठकर अपनी दूरी तय करते रहे। 12 तारीख को यह मजदूर परिवार लखनऊ से कांपादाह के लिए निकला हुआ था, जो शुक्रवार को पहुँचा। इसी तरह पंडरिया के पास अधिधारणखोर से मेरठ जाने वाले मजदूर भी मिले, जो पैदल

मन्त्री सिंहदेव की नर्सरी में हाथियों ने जमाया डेरा

वृ ग्रामीणों में मची खलबली,
वन विभाग की टीम कर
रही मुनादी

पखवाड़े भर से 17 हाथियों
ने जमाया हुआ है डेरा

नव प्रदेश संवाददाता

अम्बिकापुर/सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव के सूरजपुर जिले के खड़वागं में स्थित नर्सरी में 17 हाथियों को डेरा डाल दिया है। इससे गांव में खलबली मच गई है। नर्सरी के आसपास आबादी क्षेत्र है। हाथियों का इस दौरान घर से गुजर रहा था। इस दौरेन अंधेरे हो जाने के कारण हाथी जंगल की ओर नहीं बढ़ सके और मंत्रों के नर्सरी में प्रवेश कर गए। नर्सरी के अगल-बगल आबादी क्षेत्र होने के कारण वन कर्मियों द्वारा हाथियों की निगरानी का जा रही है। ग्रामीणों को समझाइश दी जा रही है। खबर है कि 17 हाथियों के झुंड ने अभी तक वहां किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं किया है।

17 हाथियों को एक दल पखवाड़े भर से बलमपुर जिले के राजपुर वन पक्षिस्त के रेततपुर जंगल में डेरा जमाया था। देवदार जंगल में रहने वाले हाथी थाम बलन के बाद नजदीक के खेतों में पहुँच जाया करते थे। हाथियों द्वारा गन्ना, गोष्मनजलीन धान और गेहूँ की फसल को नुकसान भी पहुँचाया गया। पक्षी बार डेरा क्षेत्र में घुसे हाथी पिछले दो दिनों से पुराने रवसाई क्षेत्र मोहनपुर जंगल की ओर बढ़ रहे थे। गागीजी की चेराबंदी के कारण वे आमोनी नहीं बढ़ पा रहे हैं। ज्ञात है कि गुरुपुर की रात हाथी जंगल से निकलने के बाद अपने रवसाई क्षेत्र के जंगल की ओर आगे बढ़े। रास्ते में खेतों में खड़ी फसल को खाकर और पीरों से यैदर नुकसान पहुँचाया। तड़के हाथियों ने अबिकापुर-प्रतापुर मुख्य मार्ग को पार किया, जैसे ही वे जंगल के दूसरी ओर पहुँचें गागीजी की आवाज नहीं शुरू हो गई।

683 गांवों के 1337 भवनों में रहेंगे प्रवासी मजदूर

जिले में अब तक 3 हजार 9 सौ से अधिक श्रमिक कारंटाइन

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा बाहर राख्यो से आने वाले श्रमिकों के रुकने के लिए पूरी व्यवस्था कर ली गयी है। जिसके लिए जिल्ला के 6 सौ 83 गांवों के 1337 चयनित भवनों में होम क्वारंटाइन की व्यवस्था पूरी कर लिया गया है। जिला पंचायत सीईओ आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि हमारे पास वर्तमान में जिला के 6 जनपदों में 91 हजार 8 सौ 45 लोगों को रुकवाने की क्षमता तैयार कर लिया गया है।

जिला पंचायत सी ई ओ आशुतोष पाण्डेय ने बताया की सिमाना 9 हजार 6 सौ 80, बलौदाबाजार 12 हजार 6 सौ 85, भाटापारा 12 हजार 7 सौ 80, पलारी 10 हजार 6 सौ 80, कसदोली 18 हजार 2 सौ एवं बिलाईगढ़ 27 हजार 8 सौ 20 इस तरह कुल 91 हजार 8 सौ 45 लोगो को वर्तमान में रुकवाया जा सकता है। लगातार अन्य राज्यों से मजदूरों का आना जारी है। उन्हें प्रोटोकॉल के अनुसार



बकायदा स्वास्थ्य परीक्षण कर उनके नजदीकी गाँवों में प्रशासन की ओर से पहुँचा कर उन्हें निर्धारित भवनों में 14 दिनों के लिए क्वारंटीन किया जा रहा है। कल दोपहर 12 बजे तक बाहर राख्यो से अये जितके के कुल 3 हजार 9 सौ 53 श्रमिकों को निर्धारित भवनों में क्वारंटीन किया गया है। जिसमें सिमगा के 3 सौ 49, बालौदा बाजार में 1 हजार 1 सौ 84, माटपारा 5 सौ 55, पलारी 8 सौ 35, कसडोल के 3 सौ 3 एवं बिर्वाईगढ़ 7 सौ 27 लोको शमिल है।इसके लिए

गाँवो वालो के तरफ से भी किया जा रहा है। गाँव वाले भी इन लोगो को दूर से ही हरी सब्जियाँ आदि अपने सहयोग से प्रदान कर रहे हैं।

अन्नपूर्णा रथ से प्राप्त राशन से मिल रही है मदद

जिला वासियों के सहयोग से सभी जनपदों में अन्नपूर्णा रथ आन काल डोनेशन वेन चलाया जा रहा है। जिसमें जिला वासियों द्वारा बड़ी मात्रा में सुखा राशन दान किया जा रहे हैं। इन से प्राप्त राशन को ही निर्धारित मात्रा में पैकेट बना कर जनपदों के माध्यम से इन क्वार्टरईन सेंटर तक पहुँचाया जा रहा है। जिससे इन श्रमिकों को भोजन मिल पा रहा है।

स्वास्थ्य की भी सतत निगरानी

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इन सभी मजदूरों की स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी किया जा रहा है। ताकि अगर इन मजदूरों को भी सामान्य तकलीफ हो तो उनका मदद कर सके।

**30 जून तक नियमित
चलने वाली सभी ट्रेन
रद्द, सिर्फ स्पेशल चलेगी**

भाटापासा। कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने हेतु रेल मंत्रालय के द्वारा यह निर्णय लिया गया है की पूरे भारतीय रेलवे में दिनांक 30 जून, 2020 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित सभी एक्सप्रेस ट्रेनों एवं मेमू लोकल एवं पैसेंजर गाडियों को दिनांक 30 जून, 2020 तक रद्द किया गया है। विशेष मार्गों पर 12 मई, 2020 से विशेष रेल सेवाओं की शुरुआत की गई। स्पेशल ट्रेन स्पेशल टाइमिंग के साथ चलेगी। ये विशेष सेवाएं फ़से हुए लोगों एवं श्रमिकों के लिए चलाई जा रही सेवाएं जारी रहेगी। इसी क्रम में 30 जून 2020 तक सभी मेल / एक्सप्रेस एवं मेमू लोकल एवं पैसेंजर ट्रेन रद्द रहेगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी रद्द की गयी गाडियों का लूया रिफ़्टे रेल नियमों के अनुसार लिया जा सकता है।

महिलाओं की मदद के लिये आगे आयी कैटरीना

मुंबई। बॉलीवुड की बाबी गल कैटरिना कैफघरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की मदद करने के लिये आगे आयी हैं।

कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के बीच कैटर्रीना कैफ लगाने इस्टाग्राम पर कुछ न कुछ पोस्ट कर ही रही हैं। उन्होंने पहले गिटार बजाने वीडियो शेयर किया था। इसके अलावा उनके फिनेस वीडियो भी फैस चर्चा बटोर रहे थे। कैटर्रीना की लेटेस्ट पोस्ट घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं को प्रेरणा दे रही है। कैटर्रीना ने घरेलू हिंसा पीड़ितों के लिए काम कर रही संस्था से सहायता करने का फैसला किया है। देश में लॉकडाउन बढ़ने के साथ ही साथ घरेलू हिंसा के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है जिसके चलते इस संस्था को प्रेरणा और संसाधनों की कमी से जूझना पड़ रहा है। यही कारण है कि कैटर्रीना ने इस संस्था की मदद के लिए ये कैप्शन शुरू किया है इस कैप्शन के लिए स्लैह के ऑफिशियल इस्टाग्राम पेज से एक नाम चुन कर उसे अपनी फोटो के साथ शेयर करना है। इसके बाद दी गई लिंक पर डोनेशन दिया जा सकता है। कैटर्रीना ने इस संस्था की मदद करते हुए अपनी फोटो पर फातिमा नाम लिखकर पोस्ट शेयर किया है। कैटर्रीना ने इसके अलावा जान्हवी कपूर, आलिया भट्ट और तब्बू जैसे स्टार्स को भी नॉमिनेट किया है।

कोरोना ने बदली कैटरीना की जिंदगी

मुंबई । बॉलीवुड का बाबीं गर्ल कैटरीना कैफ की जिंदगी के प्रति सोच कोराना महामारी में बदल दी है। कोराना महामारी में लगभग हर चीज को बदलकर रख दिया है। इससे जिंदगी के प्रति इंसानों का नजरिया बदलता है। कैटरीना का भी कुछ ऐसा ही मानना है। कैटरीना ने कहा, "यह महामारी और इसके चलते लगाए गए लॉकडाउन ने हम में से कई लोगों को आत्मनिरीक्षण करने का मौका दिया है कि हमारी जिंदगी कितनी बेहतर है या किस तरह से हम इसे आम तौर पर ले लेते हैं। इसके साथ ही मामलों की बढ़ती संख्या के कारण मेरा मानना है कि हमें अपने खानपान और जीवनशैली के माध्यम से अपनी बेहतर इम्युनिटी की दिशा में काम करना चाहिए। इसने कुछ मायनों में जिंदगी के प्रति मेरी सोच भी बदल दी है। कैटरीना ने कहा, "मैं यह सोचकर कभी-कभी भार पेशान हो जाती हूँ कि जिंदगी पटरी पर कब आएगी, लेकिन दुनिया इस वक़्त जिस पेशानी का सामना कर रही है मैं उसे भी समझती हूँ। तनाव ऐसी स्थिति है जो कभी गंभीर मुद्दा है। मेरा सुझाव यह है कि शांत रहें, ध्यान लगाएं या

प्राची अधिकारी ने पीएम केयर्स फंड में दिया योगदान

हल्लानी । उत्तराखण्ड में हल्लानी के कुसमखेड़ा क्षेत्र की रहने वाली प्राची अधिकारी आज दक्षिण भारतीय सिनेमा जगत टॉलीवुड का माना जाना चेहरा है। प्राची ने अपनी फिल्मों के जरिये जहाँ लोगों का मनोरंजन कर अपने अभिनय को लोहा मनवाया है वहीं कोरोना वायरस महामारी के महेनजर प्रधामंत्री केयरस कोष में उर्वत धनराशि देकर अपना योगदान दिया है, लेकिन उन्होंने योगदान की राशि को सार्वजनिक नहीं किया है। प्राची ने यूनीवार्स से बातचीत में कहा कि उसने टॉलीवुड फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर अपने प्रशंसकों और लोगों का मनोरंजन किया है। वह अब तक 20 से अधिक फिल्मों में बतौर अभिनेत्री अभिनय कर चुकी है। उनकी दो तमिल फिल्मों को हिन्दी में भी डब किया गया है। प्राची ने महज सात साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में पदार्पण किया। उन्होंने कहा वह अब ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जिसका उनके वास्तविक जीवन से किसी प्रकार का ताल्लुक न हो।

हिरदो महासमा की ब्रांड
एम्बेडेड प्रोपी पीतल सातु निर्मित
गणपति की प्रतिमा को हमेशा
अपने साथ रखती हैं। इस प्रतिमा
को वह गन्धु कदकपर संस्थापित
करती हैं और अपने लिए बेहद शुभ
मानती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने
गुलाब छोड़ करती हूँ, मैं कोरोंज का
नूकसान बदलता कर सकती हूँ
लेकिन गन्धु मेरे से दूर हो जाए तो
वो मैं बदलत नहीं कर सकती।
उन्होंने कहा कि उन्हें ऑप्प
मिलने पर ही वह हिन्दी फिल्मों में
फरक कराना पसंद करेगी।

अक्षय ने मुंबई पुलिस को दिये 1000 रिस्ट बैंड

मुंबई | बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने मुंबई पुलिस को 1000 रिस्ट बैंड दिये हैं जो कोविड 19 के लक्षणों को पहचानने में उनकी मदद करेंगे।

कोरोना वायरस से लड़ाई में अक्षय कुमार अपने स्तर पर हर तरह से सहयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उन्होंने पीएम केरस सपोर्ट फंड को 25 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। अब उन्होंने मुंबई पुलिस को 10000 रिस्ट बैंड दिये हैं जो कोविड 19 के लक्षणों को पहचानने में उनकी मदद करेंगे। यह बैंड

गड्डी की तरह कलस पर बांध लिया जाता है। इसमें लगे संवसें शरीर का तापमान, धड़कन, ब्लड प्रेशर के साथ कदमों की संख्या और कैलोरिज पर नजर रखते हैं। कोरोना वायरस से संक्रमण की पहचान के लिए सबसे जरूरी कदम तापमान ही है। इससे पहले मुंबई पुलिस को कोरोना वायरस से लड़ाई में मदद करने के लिए अक्षय ने पुलिस फाउंडेशन को 2 करोड़ रुपये का दान भी दिया था। इसके अलावा अक्षय ने बुद्धमूवर्ड म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएसएम) को पीपीई, मास्क और रैपिड टेस्टिंग किट खरीदने के लिए भी 3 करोड़ रुपये दान दिये थे।



विद्या बालन की 'शकुंतला देवी' ओटीटी प्लेटफार्म पर होगी रिलीज

मूवई । बॉलीवुड में अपने सजीवा अभिनय के लिये मशहूर विद्या बालन की फिल्म 'शकुंतला देवी' ओटीटी (ओवर द टॉप) प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जायेगी। कोरोना वायरस की वजह से देश में लंबे वक से लॉकडाउन चल रहा है। कोई फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। विद्या बालन की फिल्म 'शकुंतला देवी' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जायेगी। विद्या की यह फिल्म आठ मई को आने रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना वायरस से सिनेमाघरों के बंद होने की वजह से फिल्मों की रिलीज बंद है। विद्या ने इंस्टाग्राम पर इसकी सूचना देते हुए लिखा, "यह एलान करते हुए खुश हूँ कि शकुंतला देवी जल्द प्राइम वीडियो पर आप अपने परिवार के साथ देख सकेंगे।"



आधुनिक हॉकी में फिटनेस का अहम रोल: नवजोत

बंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवजोत कौर का मानना है कि फिटनेस हॉकी में अहम रोल अदा करता है और फिट रहने से खिलाड़ी मैच में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन कर सकते हैं।

नवजोत ने इंस्टाग्राम लाइव से प्रदर्शन कर सकेगे और सत्र में टीम के सार्बिटफ़िक्रि सलाहकार वायने लोम्बार्ड के साथ फ़िन्डेस वॉयन पर चर्चा की और कुछ व्यायाम भी किए। इस सत्र का उद्देश्य लॉकडाउन के दौरान नवजोत की फ़िन्डेस में सुधार लाने तथा बौलरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पैस में सामंजसिक दूरी का सही ढंग से पालन सुनिश्चित करना था।



करने पांच मिनट तक वार्मअप व्यायाम
मैदान किया और लोम्बार्ड दर्शकों को हर
रकरार व्यायाम को समझाते रहे। नवजोत
जोत ने ने चार अलग-अलग सेट के

व्यायाम किए जिसमें पहले सेट में अपर बांडी मूवमेंट शामिल था। पहले सेट में उन्होंने पुश-अप सहित कई व्यायाम किए।

लोम्बार्ड ने कहा, “मेरे ख्याल से यह वो क्षेत्र है जहां महिला खिलाड़ियों को ज्यादा ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है वो भी उस वक़्त जब वे लंबे समय से ट्रेनिंग नहीं कर पा रही हैं।”

हमारा फिटनेस सत्र
न के दौरान नवजोत की
बरकरार रखने पर केंद्रित
से वह जब भी ट्रेनिंग

वापस शुरू करें तो उनकी फिटनेस को लेकर कोई परेशानी नहीं खड़ी हो सके। सत्र के दौरान प्रशंसकों और नवजवान ने कुछ प्रशंसकों के सवालों के जवाब भी दिए।

तोम्बार्ड से जब फिटनेस सत्र के महत्व के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, «खेल में फिटनेस का अहम रोल है और हॉकी में शारीरिक तौर पर फिट रहना बेहद जरूरी है। खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग और मैच के दौरान फिटनेस अभ्यास करना जरूरी है। इससे वे मजबूत बने हैं और उनके सनशिलता में सुधार आता है।

डबलिन क्रिकेट आयरलैंड ने न्यूजीलैंड और पाकिस्तान साथ होने वाली घरेलू सीरीज को कारोना वायरस के खतरों के देखते हुए स्थगित कर दिया है। आयरलैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 जून से दो जुलाई तक तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी थी जबकि उसी पाकिस्तान के खिलाफ 12 और 14 जुलाई को दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी थी। कारोना वायरस के कारण दुनियाभर में खेल गतिविधियां ठप पड़ी हुई हैं और ऐसे में आयरलैंड का इस



साल सितंबर में इंग्लैंड दौरा भी संकट में पड़ता दिखाई दे रहा है हालांकि क्रिकेट आयरलैंड के अनुसार इस बारे में बातचीत जारी है। क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी वारेन ड्यूट्रोम ने कहा कि सरकार के दिशानिर्देश के

अनुसार न्यूजीलैंड के साथ सीरीज खेलेना मुश्किल है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमें बताया कि वह इसके लिए यहां का दौरा नहीं कर सकते हैं। हालांकि इससे हमें निराशा हुई है लेकिन हालात को देखते हुए हम उनमें फैसले का सम्मान करते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए यह समय काफी कठिन है और हमें आयरलैंड के अपने दोस्तों के लिए दुःख हो रहा है।' जिनका सत्र इसके कारण बाधित हुआ है।

जून में होगी ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग

सिडनी कोरोना वायरस के खतरे के कारण मार्च में स्थगित हुई ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एफएफएल) 11 जून से शुरू होगी। एफएफएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिलोन मैकलाचलन ने संवाददाताओं को बताया कि सभी 18 क्लब 25 मई से ट्रेनिंग शुरू करेंगे और कार्यक्रम को चार से छह सप्ताह के अंतराल में जारी किया जाएगा।



प्रोटोकॉल के मुताबिक सभी खिलाड़ियों, स्टाफ और अपायर को सप्ताह में दो बार टेस्ट कराना होगा। मैकलाचलन ने कहा कि खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका महिला वनडे सीरीज स्थगित

किंगडन । क्रिकेट वेस्ट इंडीज और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस माह के अंत में जमैका और त्रिनिदाद में होने वाली महिला टीमों का एकदिवसीय सीरीज को कोरोना वायरस के खतरे के कारण स्थगित करने का निर्णय लिया है। पांच मुकाबलों की यह सीरीज जुलाई में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर्स से पहले भी थी लेकिन आईसीसी ने पहले ही क्वालीफायर्स को

कोरोना वायरस के कारण स्थगित कर दिया था जिसके बाद अब यह सीरीज स्थगित कर दी गयी है। वैदिक महामारी को देखते हुए दोनों नैनी स्थिति को देखते हुए देशों के बोर्डों को पुरुष ए टीम का दौरा रद्द करना पड़ा है जो जून के महीने में एंडंगा में आयोजित होना था। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही महिला विश्व 2021 के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।
क्योंकि उनकी टीम आईसीसी

22 मई से वेस्ट इंडीज में शुरू होगी टी-10 लीग

सेंट विन्सेंट | कोरोना वायरस के खतरे के कारण पूरे विश्व में बंद पड़ी खेल की गतिविधियों के बीच वेस्ट इंडीज में 22 मई से विसी प्रीमियर टी-10 लीग शुरू होगी। वेस्ट इंडीज में सेंट विन्सेंट और ग्रेनेडिंस में यह लीग खेली जायेगी। यह यह नीपीएल का पहला सत्र होगा जिसमें छह टीमें होंगी। लीग 22 मई से 31 मई तक सेंट विन्सेंट के आरनोस वेल् स्पोर्टिंग कॉम्प्लेक्स में खेली जायेगी।

एक दिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष बनेंगे गांगुली: डेविड गॉवर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और बाएं हाथ के स्टाइलिश बल्लेबाज डेविड गॉवर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सोरभ गांगुली में एक अच्छे प्रशासक के सभी गुण मौजूद हैं और वह भविष्य में क्रिकेट की विश्व संस्था आईसीसी के अध्यक्ष बन सकते हैं।



एक अच्छे प्रशासक के लिए जरूरी है। गाँवर ने कहा, 'मैं आपको सौरभ के बारे में क्या बात सनाता हूँ। मैंने वर्षों से उनके साथ कई बार बातचीत की है। वह एक बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी थे और उनके रिकार्डों खुद गवाह हैं। एक बात जो मैंने पिछले कुछ वर्षों में सीखी है, वह यह है कि अगर अगर बीसीसीआई को चलाने जा रहे हैं, तो आपको कई चीज़ें होनी चाहिए। उनकी जैसी प्रतिष्ठा, वह बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन आपको बहुत ही विनम्र राजनीतिज्ञ होने की आवश्यकता है। इंग्लैंड के पूर्व शीर्ष क्रम के बल्लेबाज गाँवर ने

व्यू 20 में ग्लोफ्स में प्रशंसकों के लिए अनोखे चैट शो में फैन्स से क्रिकेट के अनुभवों साझा किया गाँवर ने कहा, "हम सभी जानते हैं कि भारत में क्रिकेट के लिए अपार आकर्षण है। तो यह वास्तव में एक अद्भुत बात है। सौरभ के पास बीसीएसआई के प्रभारी के रूप में सबसे मुश्किल काम है, लेकिन मैं कहूंगा कि अब तक संकेत बहुत अच्छे हैं।"

हे कि उनके पास सही रखाया है और चीजों को एक साथ रख सकते हैं और अच्छा काम कर रहे हैं वास्तव में कहूँ कि अधिक महत्वपूर्ण काम ईमानदार होना और बीसीसीआई चलाना है। आईसीसी का प्रमुख होना एक सम्मान है। आईसीसी के जरिये बहुत कुछ किया जा सकता है। बीसीसी को निश्चित रूप से बड़ा काम है।

एलैंड के पूर्व कप्तान ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के सन्दर्भ में कहा, -इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का विचार एक बहुत ही सरल कारण से आया था कि लोग टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व के बारे में चिंतित हैं। सत्र, अस्सी के दशक में मुझे नहीं लगता कि हमारे निष्पक्ष होने के लिए सदस्य आवश्यकता थी। टेस्ट क्रिकेट बहुत अधिक स्पष्ट रूप से सस्ते महत्वपूर्ण प्रारूप था और अगर किसी चीज का न्याय किया जाना था, तो यह एक व्यक्तिगत और एक टीम के रूप में टेस्ट मैचों में प्रदर्शन था।

इंग्लैंड की टीम फिर से शुरू करेगी प्रशिक्षण

लंदन। इंग्लैंड की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की तरफ कदम उठते हुए अगले सप्ताह से पूरे देश में कई स्थानों पर नियंत्रित वातावरण में प्रशिक्षण फिर से शुरू करेगी। यह घोषणा बुधवार को सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक सलाह के बाद की गयी है जिसमें कोविड-19 के प्रकोप के दौरान खिलाड़ियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल और सामाजिक दूरी रखने के उपायों को निर्धारित किया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की तरफ से इस कदम का उद्देश्य इंग्लैंड के उन खिलाड़ियों की चोट की संभावनाओं को कम करना है जिन्होंने श्रीलंका दौर के बाद से क्रिकेट के मैदान पर कदम नहीं रखा है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए मैदान का चयन हालाँकि अभी नहीं किया गया है लेकिन माना जा रहा है कि ट्रेट ब्रिज, ग्राव्स्टरन, ओल्ड ट्रैफर्ड, ओवल, टॉटनम के मैदान पर प्रशिक्षण शुरू किया जा सकता है। प्रशिक्षण की शुरुआत में खिलाड़ियों को पहले अकेले ही अभ्यास शुरू करना होगा जिसमें एक कोच और फिजियो भी शामिल होगा।

